

भारत सरकार

मंत्रिमण्डल सचिवालय

कार्यिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

20

नई दिल्ली-110001 दिनांक नवम्बर, 1976

सेवा में,

सभी राज् सरकारों के मुख्य सचिव ।

विषय:- अखिल भारतीय सेवाओं के सेवानिवृत्त अधिकारियों को सार्वजनिक उद्गमों में पुनर्निर्भुक्त - वेतन निर्धारण के संबंध में -

सहोदा,

इस विभाग के दिनांक 7 जनवरी, 1975 के पत्र संख्या 19/1/74-

अ०भा०से०(11) के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि इस संबंध

में साष्टीकरण योग्य है कि पुनर्निर्भुक्त के पद के निर्धारित वेतनमान

की वह स्टेज का होगी जिस पर भा०प्र०से० के किसी सदस्य का वेतन निर्धारित

किया जाना होता है, अर्थात् का वेतन, पुनर्निर्भुक्त के पद के निर्धारित वेतनमान की

न्यूनतम स्टेज पर निर्धारित किया जाना है अथवा सेवानिवृत्त प्रसुविधाओं के त्वावर

पेंशनरी क्क करके अधिकारी को सेवा निवृत्ति के समय उपलब्ध द्वारा लिए जा रहे

वेतन के समकक्ष की स्टेज पर है ।

2- इस मामले को जारी वित्त मंत्रालय (सार्वजनिक उद्गम ब्यूरो) के परामर्श

के लो गई है। वित्त मंत्रालय का दिनांक 23 दिसम्बर 1969 का का०ज्ञा०सं०

2(57)/68-दी०से०ई०(जे०एम०) जो कि इस विभाग के दिनांक 7 जनवरी, 1975

के उपर्युक्त पत्र द्वारा सभी भारतीय सेवाओं पर लागू किया गया है, उक्त पद

के वेतनमान में किसी विशेष स्टेज पर पुनर्निर्भुक्त व्यक्तियों के वेतन निर्धारण

के संबंध में किसी प्रकार का प्रतिबंध निर्धारित नहीं करता है। ऐसे प्रतिबंध

के अभाव में राज् सरकार का कर्तव्य है कि वह ऐसे रीति निश्चित करे जिसमें

वेतन निर्धारित किया जाना चाहिए। परन्तु इस प्रकार निर्धारित किए गए वेतन

में पेंशन तथा पेंशनरी इन्विडेलेन्ट क्क कर दिए जाने चाहिए ।

3- यदि अखिल भारतीय सेवा का कोई सेवानिवृत्त सदस्य किसी केन्द्रीय

सार्वजनिक उद्गम में सर्वोच्च पद पर पुनर्निर्भुक्त किया जाता है अर्थात् जिस पर

केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्ति की जाती है, तो उसको वेतन केन्द्रीय सरकार

द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।

भवदीय,

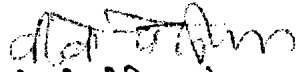
(दी०के०चेरियन)

डेस्क अधिकारी

सं० 26012/4/76-अ०भा०वे०(11) दिनांक 20 नवम्बर, 1976

प्रति सूचनार्थ निम्नलिखित को अग्रेषित :-

- 1- भारत के निर्यात तथा महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली-110001
- 2- महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व तथा महालेखाकार
वाणिज्य निर्वाण तथा विविध नई दिल्ली सहित सभी महालेखाकार ।
- 3- वित्त मंत्रालय (उद्गम वरुणों को उनके दिनांक 23-10-1976 के अनौपचारिक
पत्र सं० 4688/वे० पी० ई०/जे०एन०-1/76 के संदर्भ में ।
- 4- भारत सरकार के सभी मंत्रालय/ विभाग ।


(वी०के० गैरिगन)
डेस्क अधिकारी

50 अतिरिक्त प्रतियाँ ।